SCAM
SCAM!
SCAM

AN AWARD WINING INDEX STRATEGY

XPO

XENO PORTFOLIO

Exposed by

TECH LEGAL AWARENESS FORUM

SECTION 8 · NON-PROFIT ORGANIZATION REGISTERED UNDER THE COMPANIES ACT, 2013

SCAM FREE INDIA

CYBER ALERT

XPO-वेबसाइट के जरिए ठगी करने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार: जयपुर में बैठकर चलाते थे फर्जी वेबसाइट; बाकी के आरोपियों की तलाश जारी

भरतपुर 4 महीने पहले

TECH LEGAL AWARENESS FORUM
SCAM FREE INDIA
CYBER ALERT

12-Nov-2025

XPO वेबसाइट के जरिए आरोपी करते थे लोगों से ठगी।

भरतपुर पुलिस ने XPO वेबसाइट के जरिए ठगी करने वाली गैंग के 4 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपी ज्यादा ब्याज का लालच देकर लोगों से ठगी कर रहे थे। इस गैंग में कई सदस्य हैं। पुलिस बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

चार आरोपी किये गए गिरफ्तार

सीओ सिटी पंकज यादव ने बताया कि 12 नवंबर को मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि XPO वेबसाइट के जरिए लोगों को निवेश और बोनस का लालच देकर पैसे इकट्ठे किए जा रहे हैं। एप्लिकेशन के जरिए लोगों को रेफर एंड अर्न, रोजाना या हफ्ते में ज्यादा ब्याज सदस्य बढ़ाने पर इनाम जैसी योजनाओं का प्रलोभन दिया जा रहा है। इसमें रजत शर्मा, ईश्वर वर्मा, मगलेश कुमार शर्मा, सुरेंद्र सैनी, शाहरुख खान, सुरेंद्र बरवाल, अतुल शर्मा, नरेंद्र डागुर, सोनू और इनके कई साथी शामिल हैं।

वेबसाइट रजिस्टर्ड नहीं थी

यह लोग बिना किसी जोखिम के ज्यादा पैसे कमाने का लालच देते हैं। इसका यह सोशल मीडिया पर भी प्रचार करते हैं। जांच की गई तो, पता लगा कि यह एप्लिकेशन SEBI@RBI@MCA किसी भी प्राधिकरण में रजिस्टर्ड नहीं है। साथ ही न ही किसी जमा योजना के तहत कार्यरत है। यह एप्लिकेशन अनियमित जमा योजना के तहत काम कर रही है और लोगों से पैसे ठग रही है।

बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी होना बाकी

जिसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अतुल शर्मा, मुकुल कुमार शर्मा निवासी रणधीरगढ़ थाना भुसावर, कृष्ण कुमार शर्मा निवासी धाईना थाना रूपवास, राकेश कुमार निवासी भुसावर को गिरफ्तार किया गया है। इस गैंग में और भी सदस्य शामिल हैं। चारों आरोपी जयपुर से इस बेवसाइट के जरिए ठगी करते थे। पुलिस चारों आरोपियों को जयपुर लेकर गई है। आज इस गैंग के बाकी सदस्यों की भी गिरफ्तारी की जा सकती है।

TECH LEGAL AWARENESS FORUM
SCAM FREE INDIA
CYBER ALERT

भास्कर इन्वेस्टिगेशन ऊंचे रिटर्न और रेफरल बोनस का लालच देकर लोगों को झांसे में लिया, सबसे ज्यादा निवेशक राजस्थान से

₹ 3100 करोड़ का साइबर फ्रॉड

20 राज्यों में 3.20 लाख लोग ठगे, सबसे ज्यादा 2 लाख राजस्थान से शिकार, पांचों मास्टरमाइंड भाग चुके दुबई

रूस के पते पर 2022 से जयपुर से चल रहा गोरखधंधा, अब ईडी ने लिया स्वत: संज्ञान, सीबीआई से जांच को लिखा

राजकुमार ठाकुर | भरतपुर

क्रिप्टो और फॉरेक्स निवेश के नाम पर चल रहे एक अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय साइबर फ्रॉड नेटवर्क का खुलासा हुआ है, जिसमें एक्सपीओ डॉट कॉम नामक फर्जी वेबसाइट और मोबाइल एप के जरिए लाखों लोगों से हजारों करोड़ रुपये की ठगी की गई। यह नेटवर्क ऊंचे रिटर्न और रेफरल बोनस के लालच पर आधारित था, जिसके मास्टरमाइंड विदेश, खासतौर पर दुबई से ऑपरेट कर रहे थे, जबकि भारत में इसका संचालन जयपुर से किया जा रहा था।

जांच में सामने आया है कि सभी मुख्य आरोपियों की लोकेशन दुबई आ रही है। कंपनी भारत में किसी भी प्राधिकरण से पंजीकृत नहीं थी। वेबसाइट खुद को वर्ष 2016 से रूस में संचालित बताती थी, जबकि वास्तविकता में इसका संचालन नवंबर 2022 से जयपुर से शुरू हुआ। इस प्लेटफॉर्म के जरिए देशभर में करीब 3100 करोड़ रुपए की ऑनलाइन ठगी की गई। नेटवर्क का फैलाव 20 से अधिक राज्यों में था, जिसमें सबसे अधिक निवेश राजस्थान से हुआ। यहां 2.07 लाख लोगों ने पैसा लगाया, जबकि दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र में 48.53 हजार निवेशक जुड़े। इनमें पुलिसकर्मी, एडवोकेट और सरकारी कर्मचारियों का वर्ग सबसे ज्यादा शामिल रहा है।

कुल मिलाकर 3.20 लाख से अधिक लोगों ने लगभग 7,100 करोड़ रुपए का निवेश किया था। इसमें से 3100 करोड़ रुपए ऑनलाइन निवेश किया है, जबकि 4000 करोड़ इंटरनल डिपॉजिट होने का अनुमान है। हालांकि इंटरनल डिपॉजिट की अभी जांच चल रही है। इस मामले में पहले पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

साइबर दुनिया के ये पांच बड़े चेहरे : जो अब दुबई भाग चुके हैं

रजत शर्मा

विजय मौर्य

ईश्वर वर्मा

सुरेंद्र सैनी

सुरेंद्र बरवार

एक्सपीओ पर सबसे पहली आईडी रजत शर्मा की, इसी के खाते में आई रकम

जांच अधिकारी आईपीएस पंकज यादव ने बताया कि एक्सपीओ डॉट कॉम से जुड़े फर्जी निवेश मामले में लोगों के फंसे रुपए लौटाए जाने संबंधी तभी कोई कार्रवाई हो सकती है, जब मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी हो। प्लेटफॉर्म की सबसे पहली आईडी जयपुर निवासी रजत शर्मा के नाम से बनाई गई थी और निवेशकों के पैसे सीधे उसके बैंक खाते में जाते थे। अधिकारियों के अनुसार, पांचों मुख्य आरोपी दुबई में हैं और जैसे ही वे भारत लौटेंगे, उसी समय उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। इनकी गिरफ्तारी के बाद ही निवेशकों को रिटर्न दिलाने की कार्रवाई आगे बढ़ सकेगी।

• **कैश और ऑनलाइन दोनों माध्यम से कराते थे निवेश...** मुख्य आरोपियों में जयपुर के रजत शर्मा, झुंझुनूं के विजय मौर्य, सुरेंद्र मौर्य, ईश्वर वर्मा और सुरेंद्र सैनी शामिल हैं। इन्होंने देश भर में सेमिनार की। जिसमें एजेंट ऊंचे मुनाफे और जल्दी रिटर्न का वादा कर निवेशकों को आकर्षित करते थे। शुरुआत में वे कैश और ऑनलाइन दोनों माध्यम से निवेश कराते, कुछ ही दिनों में 1–2 प्रतिशत तक का रिटर्न देकर भरोसा जीतते और निवेशक बड़े अमाउंट में पैसा लगाने लगे। मुख्य आरोपी देश के अलग-अलग राज्यों के लोगों से सीधे संपर्क कर उनके नाम से आईडी बनाते और उन्हें निवेश के लिए प्रेरित करते थे।

20 से ज्यादा राज्यों में फैला है नेटवर्क

राज्य	प्रभावित लोग
राजस्थान	2,07,728
महाराष्ट्र	48,533
उत्तर प्रदेश	16,402
हरियाणा	14,915
कर्नाटक	10,430
गुजरात	9,057
दिल्ली	8,572
मध्य प्रदेश	7,665
बिहार	6,741
पंजाब	5,758
झारखंड	4,285
ओडिशा	3,033
आंध्र प्रदेश	2,535
छत्तीसगढ़	2,468
प बंगाल	2,460
तमिलनाडु	2,274
तेलंगाना	2,206
असम	959
उत्तराखंड	922
जम्मू-कश्मीर	746

• **ईडी ने लिया सुओ मोटो संज्ञान, सीबीआई जांच की तैयारी...** इस बड़े साइबर फर्जीवाड़े में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सुओ मोटो संज्ञान लिया है। भरतपुर पुलिस ने ईडी को पूरे मामले की जानकारी उपलब्ध कराई है। साथ ही प्रिंसिपल सेक्रेटरी, कोऑपरेटिव विभाग को भी रिपोर्ट भेजी गई है ताकि इस मामले की जांच सीबीआई जैसी बड़ी एजेंसी से कराई जा सके। आरोपियों के खातों को फ्रीज करने के लिए पुलिस ने एससीआरबी (स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो) को पत्र लिखा है। अधिकारियों का कहना है कि कार्रवाई से निवेशकों के हितों की रक्षा करने और आरोपियों की वित्तीय गतिविधियों पर रोक लगाने में मदद मिलेगी।

भरतपुर पुलिस की SIT को कुछ आरोपियों के विदेश में होने की भी सूचना है जिससे अनुसंधान करने के लिए कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अपराध से अर्जित संपत्ति का ब्यौरा तैयार किया जा रहा है। मामले में केंद्रीय जांच एजेंसियों को भरतपुर पुलिस द्वारा सभी जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है।
– दिगंत आनंद, पुलिस अधीक्षक भरतपुर

Activate Windows
Go to Settings to activate Windows

भरतपुर भास्कर

भरतपुर सिटी • सेवर

भरतपुर | शुक्रवार, 21 नवंबर, 2025 मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष-प्रतिपदा, 2082

...की आवाज

...की मांग पर अब रोक

...ले, कॉलोनी, क्षेत्र ...यों को उठाने वाला ...ता की आवाज हर ...भास्कर अब 24 ...आपको देखना पड़े ...

...की आवाज में आप ..., पानी, सड़क, पार्क ... भी ऐसी समस्या ...हैं, जो बार-बार ...जानकारी देने के ...होने का नाम दो ...

भास्कर में पढ़ें

नीतीश कुमार ने 26 मंत्रियों संग... -पढ़िए फ्रंट पेज

...एलान आज से; ...ट दुनिया की... -पढ़िए स्पोर्ट्स पेज

क्रिप्टो-फॉरेक्स ठगी नेटवर्क का भंडाफोड़ • 3500 करोड़ की धोखाधड़ी उजागर, पांच आरोपी पकड़े, ईडी जांच की तैयारी

कंपनी में निवेश पर 15 से 20 फीसदी मासिक रिटर्न का दावा कर लोगों को झांसे में लिया, भरतपुर के 10 हजार लोगों के 100 करोड़

लोगों ने बैंक से लोन लेकर निवेश में फंसाई रकम, शक हुआ तो वापस मांगी, नहीं मिली तो कराए मामले दर्ज

भास्कर न्यूज | भरतपुर

भरतपुर पुलिस ने क्रिप्टो और फॉरेक्स निवेश के नाम पर चल रहे एक बड़े फर्जी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। इस गिरोह ने राजस्थान में लाखों लोगों को ऊंचे मुनाफे और बोनस का लालच देकर निवेश कराया और 4.5 लाख लोगों से करीब 3500 करोड़ रुपए का निवेश करवाया। पुलिस ने कार्रवाई करते 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। नेटवर्क ने लोगों को 1000 करोड़ रुपए रिटर्न कर दिया है। अभी लोगों का 2500 करोड़ रुपए फंसे हैं। इनके कब्जे से 40 लाख रुपये नकद, सोने-चांदी के जेवरात, 5 लग्जरी गाड़ियां और 40 लाख रुपए की क्रिप्टोकरेंसी बरामद हुई है।

पूरा मामला तब सामने आया जब 12 नवंबर को थाना मथुरागेट में शिकायत दर्ज हुई। शिकायत में बताया गया कि एफएक्सओ ट्रेड कॉम नामक वेबसाइट और मोबाइल एप विदेशी करंसी में निवेश का दावा कर रही थी। यह प्लेटफॉर्म निवेशकों को ऊंचे लाभ और नए लोगों को जोड़ने पर अतिरिक्त बोनस का लालच देकर तेजी से फैल रहा था। जांच में खुलासा हुआ कि कंपनी भारत में किसी भी प्राधिकरण से पंजीकृत नहीं थी। वेबसाइट खुद को 2016 से रूस में संचालित बताती थी, जबकि असल में इसका संचालन नवंबर 2022 से जयपुर से शुरू हुआ। मुख्य भूमिका संदीप सिंह और रजत शर्मा की पाई गई। वेबसाइट 47 लाख उपयोगकर्ताओं और 4.3 बिलियन डॉलर फंड प्रबंधन का दावा करती थी, जबकि वास्तविक संख्या केवल 4.7 लाख उपयोगकर्ताओं और लगभग 3100 करोड़ रुपए की जमा राशि निकली। यही गिरोह ट्रिक्सिया ट्रेड कम नामक दूसरी फर्जी वेबसाइट भी चला रहा था, जिसमें 9000 निवेशकों से 500 करोड़ रुपये से अधिक की राशि ली जा चुकी थी।

सेमीनार का विज्ञापन

सेमीनार में लोगों को देते थे प्रलोभन

सेमिनार और एजेंटों के जरिए ठगी फर्जी नेटवर्क ने लोगों को फंसाने के लिए जगह-जगह सेमिनार आयोजित किए। इन सेमिनारों में एजेंट ऊंचे मुनाफे और जल्दी रिटर्न का वादा कर निवेशकों को आकर्षित करते थे। शुरुआत में वे कैश और ऑनलाइन दोनों माध्यम से निवेश करवाते और कुछ ही दिनों में 1-2 प्रतिशत तक का रिटर्न देकर भरोसा जीत लेते। जब निवेशक को यह व्यवस्था सुरक्षित लगने लगी तो वे बड़े अमाउंट में पैसा लगाने लगे। भरतपुर में इस नेटवर्क का एजेंट राकेश कुमार शर्मा पुत्र अशोक कुमार, निवासी भुसावर सक्रिय था, जो लोगों से सीधे संपर्क कर उनके नाम से आईडी बनाता और उन्हें निवेश के लिए प्रेरित करता था। इसी तरह एजेंटों के जरिए हजारों लोगों को झांसे में लेकर करोड़ों रुपये की ठगी की गई।

• लोन लेकर निवेश का जाल... फर्जी निवेश कंपनी एफएक्सओ ने 15 से 20 प्रतिशत मासिक रिटर्न का दावा कर लोगों को इतना भरोसा दिलाया कि कई निवेशक लोन लेकर भी इसमें फंस गए। आमतौर पर बैंक या निजी संस्थाओं से लिए गए लोन पर 1 से 2 प्रतिशत मासिक ब्याज देना पड़ता है, लेकिन कंपनी के ऊंचे मुनाफे के वादे ने लोगों को लालच के दलदल में फंसा दिया।

• नामचीन लोग व सरकारी कर्मचारी भी शिकार... भरतपुर जिले में करीब 8 से 10 हजार लोगों ने करोड़ों रुपये निवेश किए, जिनमें पुलिसकर्मी, एडवोकेट और सरकारी कर्मचारियों का वर्ग सबसे ज्यादा शामिल रहा। जिले के भीतर ही 100 करोड़ रुपये से अधिक की राशि लोगों ने इस नेटवर्क में लगा दी थी।

आरोपियों में एक भुसावर का... पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें भरतपुर के भुसावर क्षेत्र के राकेश पंडित पुत्र अशोक कुमार, अतुल पुत्र देवेंद्र कुमार, निवासी सांगानेर जयपुर, कृष्ण पुत्र मुकेशचंद निवासी विराटनगर, जयपुर, मुकुल कुमार पुत्र देवेंद्र कुमार निवासी जयपुर, और रामस्वरूप पुत्र तुलाराम निवासी महापुरा, जयपुर शामिल हैं। आरोपी पंकज यादव ने केवल तीन से 5 दिन की रिमांड लेकर पूछताछ की। 18 नवंबर को 3 आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया, जबकि राकेश पंडित को पांच दिन की रिमांड के बाद 20 नवंबर को पेश किया गया।

• फर्जी कंपनी बनाकर करोड़ों की लॉन्ड्रिंग की जा रही थी। जांच के लिए हम प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को पत्र भेज रहे हैं, ताकि विदेश लेन-देन और विदेशी कनेक्शन की परतें खोली जा सकें। पुलिस स्तर पर जो तथ्य सामने आए हैं, उन्हें ईडी के साथ साझा किया जाएगा, जिससे ठगी के इस बड़े मामले की पूरी सच्चाई उजागर हो सके।
– दिगंत आनंद, पुलिस अधीक्षक भरतपुर

TECH LEGAL AWARENESS FORUM
SCAM FREE INDIA CYBER ALERT

राजस्थान में 30

आज की सबसे बड़ी ब्रेकिंग

निवेशकों से ठगी • पुलिस ने खाते सीज करने को लिखा, ईडी को भी दी जानकारी

क्रिप्टो व फॉरेक्स में निवेश के नाम पर 20 राज्यों में 3,100 करोड़ का फर्जीवाड़ा, दुबई भागे आरोपी

भरतपुर | क्रिप्टो और फॉरेक्स में निवेश के नाम पर चल रहे एक फ्रॉड नेटवर्क का खुलासा हुआ है, जिसमें एक्सपीओ डॉट कॉम नामक फर्जी वेबसाइट और मोबाइल एप के जरिए लाखों लोगों से हजारों करोड़ रुपये की ठगी की गई। यह नेटवर्क ऊंचे रिटर्न और रेफरल बोनस के लालच पर आधारित था, जिसके मास्टरमाइंड विदेश, खासतौर पर दुबई से ऑपरेट कर रहे थे, जबकि भारत में इसका संचालन जयपुर से किया जा रहा था। जांच में सामने आया है कि सभी मुख्य आरोपियों की लोकेशन दुबई आ रही है। कंपनी भारत में किसी भी प्राधिकरण से पंजीकृत नहीं थी। वेबसाइट खुद को वर्ष 2016 से रूस में संचालित बताती थी, जबकि वास्तविकता में इसका संचालन नवंबर 2022 से जयपुर से शुरू हुआ। इस प्लेटफॉर्म के जरिए देशभर में करीब 3100 करोड़ रुपए की ऑनलाइन ठगी की गई। नेटवर्क का फैलाव 20 से अधिक राज्यों में था, जिसमें सबसे अधिक निवेश राजस्थान से हुआ। यहां 2.07 लाख लोगों ने पैसा लगाया, जबकि दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र में 48.53 हजार निवेशक जुड़े। कुल मिलाकर 3.20 लाख से अधिक लोगों ने लगभग 7,100 करोड़ रुपए का निवेश किया था। इसमें से 3100 करोड़ रुपए ऑनलाइन निवेश किया है, जबकि 4000 करोड़ इंटरनल डिपॉजिट होने का अनुमान है। हालांकि इंटरनल डिपॉजिट की अभी जांच चल रही है। इस मामले में पहले पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस चार-पांच आरोपियों के दुबई भाग जाने की आशंका जता रही है। ये लोग जगह-जगह सेमिनार आयोजित करते और एजेंट ऊंचे मुनाफे और जल्दी रिटर्न का वादा कर निवेशकों को आकर्षित करते थे। मुख्य आरोपी देश के अलग-अलग राज्यों के लोगों से सीधे संपर्क कर उनके नाम से आईडी बनाते और उन्हें निवेश के लिए प्रेरित करते थे।

प्रिंसिपल सेक्रेटरी, कोऑपरेटिव विभाग को भी रिपोर्ट भेजी

इस बड़े साइबर फर्जीवाड़े में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सुओ मोटो संज्ञान लिया है। भरतपुर पुलिस ने ईडी को पूरे मामले की जानकारी उपलब्ध कराई है। साथ ही प्रिंसिपल सेक्रेटरी, कोऑपरेटिव विभाग को भी रिपोर्ट भेजी गई है ताकि मामले की जांच सीबीआई जैसी बड़ी एजेंसी से कराई जा सके। मुख्य आरोपियों के बैंक खातों को फ्रीज करने के लिए पुलिस ने स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो को पत्र लिखा है। जांच अधिकारी आईपीएस पंकज यादव ने बताया कि प्लेटफॉर्म की सबसे पहली आईडी जयपुर निवासी रजत शर्मा के नाम से बनाई गई थी और निवेशकों के पैसे उसके बैंक खाते में जाते थे। अधिकारियों के अनुसार, पांचों मुख्य आरोपी दुबई में हैं। जैसे ही वे भारत लौटेंगे, उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

एक्सपीओ डॉट कॉम मामले में भरतपुर पुलिस की SIT द्वारा वित्तीय व आपराधिक गतिविधियों की गहन जांच जारी है। कुछ आरोपियों के विदेश में होने की भी सूचना है जिनसे अनुसंधान करने के लिए कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मामले में केंद्रीय जांच एजेंसियों को भरतपुर पुलिस द्वारा सभी जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। -दिगंत आनंद, पुलिस अधीक्षक भरतपुर

TECH LEGAL AWARENESS FORUM
SCAM FREE INDIA
CYBER ALERT

ऑनलाइन निवेश के नाम पर ठगी का जाल, देर शाम पुलिस ने 9 में से 4 आरोपी किए गिरफ्तार

17-11-2025 भास्कर न्यूज | भरतपुर

मथुरा गेट थाना पुलिस ने एक ऑनलाइन निवेश एप और वेबसाइट के जरिए लोगों से धोखाधड़ी कर धनराशि एकत्र करने के मामले में एफआईआर दर्ज की है। 12 नवंबर को उप निरीक्षक होतमसिंह को मुखबिर से सूचना मिली कि एक्सपीओ.आरयू नामक मोबाइल एप और वेबसाइट के माध्यम से लोगों को ऊँचे लाभ और बोनस का लालच देकर निवेश कराया जा रहा है। एप में रेफर एंड अर्न, रोजाना/साप्ताहिक ब्याज और सदस्य बढ़ाने पर इनाम जैसी योजनाओं के जरिए जल्दी और ज्यादा पैसे कमाने का झांसा दिया जा रहा था। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि इस एप के प्रचार-प्रसार और निवेश योजनाओं में रजत शर्मा उर्फ राजेश कुमार, ईश्वर वर्मा, मगलेश कुमार शर्मा, सुरेंद्र सैनी, शाहरुख खान, सुरेंद्र बरवार, अतुल शर्मा, नरेंद्र डागुर, सोनू उर्फ मनोज कुमार शर्मा सहित अन्य लोग शामिल हैं। यह पूरा नेटवर्क सोशल मीडिया पर भी सक्रिय था और संगठित गिरोह की तरह काम कर रहा था। जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि एप न तो भारत में सेबी, आरबीआई, एमसीए या किसी सक्षम प्राधिकरण के अंतर्गत पंजीकृत है और न ही किसी विनियमित जमा योजना के तहत कार्यरत है। यह एप एक अनियमित जमा योजना के अंतर्गत जनता से धन संग्रह कर रही थी और धोखाधड़ी कर राशि हड़प रही थी। पुलिस ने इस कृत्य को अविनियमित निक्षेप स्कीम पाबंदी अधिनियम तथा इनामी चिट और धन परिचालन दंडनीय अपराध माना है।

भास्कर एक्सपर्ट

अनिल जासौरिया, पुलिस उपाधीक्षक

आजकल ऑनलाइन निवेश एप्स और वेबसाइट्स तेजी से फैल रहे हैं। ये प्लेटफॉर्म ऊँचे लाभ, बोनस और रेफर-एंड-अर्न जैसी योजनाओं का लालच देकर आम लोगों को फंसाते हैं। एप्स और वेबसाइट्स अक्सर कुछ समय तक भुगतान करते हैं ताकि भरोसा बने, लेकिन बाद में अचानक बंद होकर लोगों का पैसा हड़प लेते हैं।ऐसी गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस या साइबर सेल को दें।

TECH LEGAL AWARENESS FORUM
SCAM FREE INDIA CYBER ALERT

भास्कर एक्सक्लूसिव • झांसे में न आएं- यह खबर पढ़ लें... इनका धन भी गया और धरम भी

सिंचाई विभाग के 200 कर्मचारी क्रिप्टो-फॉरेक्स में निवेश कर फंसे, गहने गिरवी रख और लोन लेकर लगाए करोड़ों

22-11-2025 समकित जैन | कोटा

ज्यादा बोनस का लालच और मुफ्त विदेश यात्राएं बनी गले की फांस

संभाग के कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ चारों जिलों के सिंचाई विभाग के कर्मचारी क्रिप्टो और फॉरेक्स में निवेश कर फंस गए हैं। दावा है कि अधीक्षण अभियंता, कनिष्ठ अभियंता और क्लर्क से लेकर चपरासी तक करीब 200 कार्मिक दो साल से एक्सपीओ डॉटकॉम वेबसाइट व मोबाइल एप पर करोड़ों का निवेश कर चुके हैं।

भास्कर की पड़ताल में एक वरिष्ठ कर्मचारी ने कोटा में चल रहे इस पूरे नेटवर्क का खुलासा किया। बताया कि- कंपनी का कोटा में नेटवर्क चलाने वाली टीम का लीडर भी सरकारी कर्मचारी ही है। सबसे पहले कोटा में कार्यरत एक अधिकारी ने कोटा और झालावाड़ के कर्मचारियों को यह स्कीम समझाकर निवेश करवाया था। शुरूआत के कुछ माह मोटा रिटर्न दिया। सरकारी कर्मचारियों के मन में 12 से 15% तक के मासिक रिटर्न का ऐसा लालच जागा कि उन्होंने अपने मूल वेतन से ज्यादा निवेश करना शुरू कर दिया। किसी ने पत्नी और मां के गहने गिरवी रखकर बाजार से पैसा उठाया तो किसी ने लोन लेकर कर्जा लिया। कुछ ने खुद के तो कुछ ने परिजनों के रिटायरमेंट का पैसा लगा दिया। लेकिन अब पिछले 2 माह से कई कर्मचारियों के 12% के रिटर्न को 2% तक कर दिया है। अब टीम लीडर्स ने हाथ खड़े कर दिए हैं। मोबाइल में ग्रुप के नाम पहले ही बदल दिए थे और छोटे ग्रुप डिलीट किए जा रहे हैं।

गौरतलब है कि भरतपुर पुलिस ने दो दिन पहले नेटवर्क चलाने वाले जयपुर-भरतपुर के 5 आरोपियों राकेश पांडेय, अतुल कुमार, कृष्णा, मुकुल और उमरावमल को गिरफ्तार किया था। जिनके कब्जे से 40 लाख नकद, सोने-चांदी के जेवरात, 5 लग्जरी गाड़ियां और 40 लाख रुपए की क्रिप्टो करेंसी बरामद की थी।

प्लेटफॉर्म निवेशकों को ऊंचे लाभ और नए लोगों को जोड़ने पर अतिरिक्त बोनस का लालच देकर यह धंधा तेजी से फैला। प्रति 10 लाख रुपए का निवेश करने और करवाने वाले कोटा के कर्मचारियों को कंपनी ने मुफ्त में विदेश यात्राएं करवाई। सरकारी कर्मचारियों ने भी बिना अनुमति, बिमारी के फर्जी सर्टिफिकेट देकर या झूठ बोलकर थाईलैंड, दुबई और मलेशिया के ट्रिप कर लिए। हाल ही में 15 से 20 कर्मचारियों का एक ग्रुप अजरबेजान और गोवा जाकर आया है। बिना विभागीय अनुमति के सरकारी कर्मचारी विदेश नहीं जा सकते, ऐसे में यह यात्राएं सरकारी कर्मचारियों के गले की फांस बन चुकी है। सरकारी कर्मचारी अब पुलिस या अन्य एंजेसियों से संपर्क करने में घबरा रहे हैं। उन्हें डर है कि जांच में खुलासा हुआ तो कार्रवाई हो सकती है।

झांसा: 30 माह तक 12% रिटर्न, पर 9 माह भी नहीं मिला : ठग हर सप्ताह यूएसडीटी के रूप में पैसा खातों में जमा करवाते हैं। कंपनी के अनुसार 30 माह तक पैसा जमा करवाना होता है। उदाहरण के लिए एक युवक ने 1 जनवरी 2025 को 10 लाख रुपए जमा करवाए तो उसे हर माह 12% के हिसाब से ब्याज मिला। 30 माह बाद करीब 7 लाख रुपए रिफंड मिलने का वादा था। कई कर्मचारियों को पहले काफी समय तक 12% ब्याज मिला। लेकिन, अब 9 से 11 माह के भीतर ही इसे घटाकर पहले 8% और अब 2% कर दिया। हालात ये हो गए कि बैंक से लोन लेकर निवेश किया। इधर, कोटा सिटी साइबर थाना सीआई सतीश चौधरी का कहना है कि हमारे पास इन्वेस्ट के नाम पर ठगी के केस लगातार आ रहे है। फरियादी आने पर इस केस में भी कार्रवाई करेंगे।

3.50 लाख लोगों से ठगी, डेटा वेरिफाई होने से खुलेंगे राज

इस मामले में राजस्थान और महाराष्ट्र के करीब 3.50 लाख लोगों से ठगी का मोटा अनुमान हैं। हमारे पास लगभग बहुत सारा डेटा कलेक्ट हो चुका है और टीमें लगातार जांच कर रही हैं। राजस्थान के हर जिले में से ठगी के लोग धीरे-धीरे अब सामने आने लगे है। कोटा के सरकारी कर्मचारियों से ठगी का पता डेटा की जांच में आएगा। यह बहुत बड़ी ठगी है और लोग सामने आने से बच रहे थे। जैसे-जैसे डेटा सामने आएगा, जांच का दायरा बढ़ता जाएगा। डेटा के वेरिफिकेशन से राज खुलेंगे।

- आईपीएस पंकज यादव, आईजी एवं सीओ भरतपुर

सिंचाई विभाग या सरकारी कर्मचारियों की तरफ से हमारे पास अभी तक कोई शिकायत नहीं आई है। शिकायत पर नियमानुसार जांच करवाकर प्रभावी कार्रवाई करेंगे।

- राजेंद्र गोयल, आईजी कोटा रेंज

कोई कर्मचारी नियम के विपरीत अगर बिना अनुमति विदेश गया तो एक्शन लिया जाएगा। क्रिप्टो में किसने निवेश किया है, इसका हमें पता नहीं।

- डीआर मीणा, चीफ इंजीनियर, सिंचाई विभाग

TECH LEGAL AWARENESS FORUM
A SECTION 8 - NON-PROFIT ORGANIZATION REGISTERED UNDER THE COMPANIES ACT, 2013
SCAM FREE INDIA
CYBER ALERT

प्रदेश में 4.50 लाख लोगों से क्रिप्टो-फॉरेक्स के नाम पर 3500 करोड़ की ठगी

जोधपुर में भी फर्जी कंपनी ने सेमिनारें की, 10 हजार लोगों के 150 करोड़ फंसे

भास्कर एक्सक्लूसिव

कुणाल पुरोहित | जोधपुर

22-11-2025

प्रदेश में क्रिप्टो और फॉरेक्स में निवेश के नाम पर साढ़े चार लाख लोगों से हुई 3,500 करोड़ की ठगी के पीड़ितों में जोधपुर के भी 10 हजार लोग हैं। इन लोगों ने इस फर्जी कंपनी में करीब 150 करोड़ रुपए निवेश किए हैं।

ये कंपनी एक्सपीओ.आरयू नामक वेबसाइट और मोबाइल एप के जरिये विदेशी बाजारों में निवेश का दावा कर रही थी। जोधपुर में 22 सितंबर को झालामंड स्थित एक होटल में भी ऐसी ही सेमिनार हुई थी। इसमें कंपनी में निवेश करवाने वाले एजेंट को 10% कमीशन का लालच दिया था। गुरुवार को भरतपुर पुलिस ने कंपनी से जुड़े भरतपुर के राकेश पांडेय, जयपुर के अतुल, कृष्णा, मुकुल व उमराबमल को गिरफ्तार किया।

इनसे 40 लाख रुपए नकद, सोने-चांदी के जेवरात, पांच गाड़ियां, 40 लाख की क्रिप्टोकरेंसी बरामद की गई थी। भरतपुर के मथुरागेट थाने में दर्ज एक शिकायत के बाद इस रैकेट का खुलासा हुआ था। वेबसाइट 47 लाख उपयोगकर्ता और 4.3 बिलियन डॉलर फंड का दावा करती थी, जबकि वास्तविक उपयोगकर्ता 4.70 लाख हैं। करीब 3100 करोड़ की जमा राशि सामने आई।

संचालक तो अब भी कह रहे- घबराए नहीं, निवेश करते रहे

कंपनी से जुड़े पांच लोग एक दिन पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इसके बाद भी चौंकाने वाली बात यह है कि कंपनी संचालक निवेशकों को वॉट्सएप ग्रुप में नहीं घबराने की सलाह दे रहे हैं। वे अब भी कह रहे हैं कि मामला सेट हो जाएगा, आप तो बस निवेश करो।

शहर के दो शोरूमों पर अब भी 4-5 वाहन बुक

22 सितंबर को सेमिनार के बाहर मर्सिडीज के होर्डिंग लगाए।

एक निवेशक ने बताया कि संचालकों ने लोगों को झांसे में लेने के लिए जोधपुर के महंगे होटलों में सेमिनार किए। इसमें बड़ा मुनाफा दिए जाने का दावा किया जाता रहा। निवेशकों का भरोसा जीतने के लिए उन्हें मौके पर ही मर्सिडीज, रेंज रोवर और बीएमडब्ल्यू जैसी महंगी गाड़ियां भी बांटी गई। शहर के दो शोरूमों पर अब भी चार-पांच गाड़ियों की बुकिंग की हुई है। कई निवेशकों को गोवा, थाईलैंड, दुबई, सिंगापुर और मलेशिया सहित अन्य देशों के टूर पर भी भेजा गया।

अब भी... पचास निवेशकों को अजरबेजान ले जाने की तैयारी

चौंकाने वाली बात यह है कि 2 दिसंबर को प्रदेश के 200 और जोधपुर के 50 लोगों को अजरबेजान के टूर पर भेजने की तैयारी है। इसे भी रद्द किए जाने जैसी कोई जानकारी निवेशकों तक नहीं पहुंचाई गई है। कंपनी भारत में किसी भी प्राधिकरण से पंजीकृत नहीं है। यह गिरोह डिजिक्स डॉट कॉम नामक दूसरी फर्जी वेबसाइट भी चला रहा था। इसमें 9 हजार निवेशकों से 500 करोड़ से अधिक की राशि ली जा चुकी थी। एक्सपीओ.आरयू को 2016 से रूस से संचालित बताया गया है, जबकि असल में इसका संचालन नवंबर-2022 से जयपुर से शुरू हुआ।

झांसा ऐसा... लोगों ने लोन लेकर किया निवेश

ये फर्जी कंपनी निवेशकों को 15 से 20 प्रतिशत मासिक रिटर्न का दावा करती है। इतने मोटे मुनाफे के लालच में कई निवेशकों ने तो लोन लेकर पैसे लगा दिए। आमतौर पर बैंक या निजी संस्थाओं से लिए गए लोन पर 1 से 2 प्रतिशत मासिक ब्याज देना पड़ता है, लेकिन कंपनी के ऊंचे मुनाफे के वादे ने लोगों को लालच के दलदल में फंसा दिया। जोधपुर में 200 से ज्यादा ऐसे लोग हैं, जिन्होंने लोन लेकर इसमें निवेश किया है।

निवेश से पहले कंपनी का बैकग्राउंड चैक करें

अंकित चौधरी, साइबर एक्सपर्ट

निवेश के नाम पर फॉरेक्स एरिना, ट्रेजर एनएफटी व बॉट ब्रो कंपनियां ठगी कर भाग चुकी हैं। ये एक्सपीओ. आरयू कंपनी तो भारत में रजिस्टर्ड ही नहीं है। किसी भी कंपनी में निवेश करने से पहले बैकग्राउंड चैक करें।

TECH LEGAL AWARENESS FORUM
SCAM FREE INDIA
CYBER ALERT

क्रिप्टो-फॉरेक्स ठगी नेटवर्क से जुड़े हैं झुंझुनूं के तार, सुजड़ौला का पूर्व सरपंच व बख्तावरपुरा का युवक कंपनी के बड़े लीडरों में

42 हजार रुपए निवेश करवा हर माह 6 हजार कमाने का झांसा देते थे, 4 दिन से रकम विड्रो नहीं कर पा रहे निवेशक

भरतपुर में पकड़े जा चुके हैं पांच आरोपी

भास्कर संवाददाता | झुंझुनूं

नेक्सा एक्सग्रीन के बाद एक और कंपनी का फर्जीवाड़ा सामने आया है। एक्सपीओ नाम की कंपनी ने विदेशी बाजारों में निवेश करवा हर माह 20% रिटर्न देने का झांसा देकर महज तीन साल में जिले के लोगों से करीब 200 करोड़ रुपए ले लिए। इस कंपनी के पांच आरोपी भरतपुर में पकड़े जा चुके हैं। कंपनी के लीडरों में झुंझुनूं जिले के दो लोगों का नाम भी आ रहा है।

एक्सपीओ डॉट कॉम नामक वेबसाइट और मोबाइल एप के जरिए लोगों से निवेश कराते। मामले का खुलासा होने के बाद जिले में कंपनी के बड़े लीडर भूमिगत हो गए हैं। भास्कर पड़ताल में पता चला कि नेटवर्किंग के जरिए ज्यादा से ज्यादा सदस्य बना क्रिप्टो और फॉरेक्स में निवेश के नाम पर हर महीने 15% रिटर्न और 5% विशेष लाभांश का झांसा देकर ठगी करते। पुलिस का मानना है कि 3 साल में 3500 करोड़ से ज्यादा ठगे हैं।

भास्कर पड़ताल : तीन साल में झुंझुनूं जिले के करीब 10 हजार लोगों से ले लिए 2 अरब से ज्यादा रुपए

जिले में एक्सपीओ कंपनी ने नेटवर्क की 2022 में शुरुआत की। पिछले दो साल में बड़ी संख्या में युवाओं को इसमें जोड़ा। युवाओं को शामिल करने के लिए मर्सिडीज, फार्च्यूनर, स्कॉर्पियो जैसी महंगी गाड़ियां लेने का सपना दिखाया। जिले में बनाए गए नए लीडरों को मलेशिया, थाइलैंड, यूएई समेत अन्य देशों में सात दिन का विशेष ट्यूर भी कराते थे और उनके वीडियो दिखाकर नए निवेशकों को फंसाते थे। कंपनी ने 15 से 20 फीसदी रिटर्न हर महीने देने की कई योजना लोगों के सामने रखी। इसमें 42 हजार रुपए निवेश करने पर 6 हजार रुपए हर महीने देने की गारंटी देते थे। नए सदस्य बनाने पर 5 फीसदी अतिरिक्त लाभांश दिया जा रहा था। सबसे बड़ी चौंकाने वाली बात यह है कि जिले में अरबों रुपए का निवेश लेकर जाने के बावजूद कंपनी ने यहां कार्यालय तक नहीं खोला। सोशल मीडिया नेटवर्क के जरिए नए लोगों को फंसाया जा रहा था। इस कंपनी में शिक्षक, पुलिसकर्मी आदि भी जुड़े हुए हैं। भरतपुर में कंपनी के पांच लीडरों की गिरफ्तारी के बाद से कंपनी का कामकाज बंद पड़ा है। पिछले चार दिन से निवेशक न तो रकम विड्रो कर पा रहे हैं और न ही नए सदस्य जोड़ पा रहे।

ऑनलाइन सेमीनार के विज्ञापन में कंपनी से जुड़े झुंझुनूं के विजय मौर्य व सुरेंद्र बरवड़ के फोटो। (लाल घेरे में)

नेक्सा से बड़ा घोटाला : नवंबर 2022 में शुरू हुई कंपनी, 3 साल में 3500 करोड़ से ज्यादा ठगे

पिछले दिनों भरतपुर में एक्सपीओ डॉट कॉम वेबसाइट के खिलाफ मामला दर्ज हुआ था। पुलिस ने 5 लोगों को गिरफ्तार किया था। इसका संचालन नवंबर 2022 से जयपुर से शुरू हुआ। वेबसाइट पर 4.7 लाख उपयोगकर्ताओं और लगभग 3100 करोड़ रुपए की जमा राशि निकली। यही गिरोह डिजिक्स डॉट कॉम नामक दूसरी फर्जी वेबसाइट भी चला रहा था, जिसमें 9000 निवेशकों से 500 करोड़ से अधिक ले चुके। 1000 करोड़ रुपए रिटर्न कर दिया है। अभी लोगों का 2500 करोड़ रुपए फंसे हैं।

इन दो केस से समझें कैसे कंपनी के झांसे में आए

केस 1: पहले 50 हजार लगाए, लालच देकर 8 लाख रुपए का कराया निवेश

झुंझुनूं के सरकारी कार्मिक कुलदीपसिंह को उसके जानकार ने सुजड़ौला के सुरेंद्र के जरिए कंपनी में तगड़ा मुनाफा होने की बात कहकर उसे जोड़ा था। पहले 50 हजार रुपए लगाए। तब हर महीने 8 हजार रुपए आने लगे। इसके बाद 8 लाख रुपए लगा दिए। दो महीने 60- 60 हजार रुपए का दो बार लाभांश भी आया। इसके बाद उसे नए सदस्य जोड़ने पर 5 फीसदी का अतिरिक्त लाभांश का झांसा दिया गया। 10 को जोड़ दिया।

केस 2: महीने की कमाई दोगुनी करने का लालच देकर कराया 20 लाख का निवेश

शहर के बाकरा रोड के इलियास ने बताया कि वह महीने में 20 हजार रुपए की कमाई करता है। उसे मोहल्ले के शाहरुख ने कमाई दोगुनी करने का लालच देकर गुसाई की ढाणी के सुनील के जरिए कंपनी में निवेश कराया। 50 हजार रुपए के निवेश पर 6 हजार रुपए की कमाई के बाद परिचितों से कर्ज लेकर 20 लाख रुपए का निवेश कर दिया। लेकिन अब लाभांश आना बंद हो गया और परिचित रुपए वापस मांग रहे हैं।

एक लीडर भाजपा एससी मोर्चा में पदाधिकारी भी रह चुका

कंपनी की पिछले महीने भरतपुर में हुई सेमिनार में जिन टॉप लीडरों को मोटिवेटर के रूप में बुलाया गया था, उनमें झुंझुनूं जिले के दो जने शामिल हैं। इसमें सुजड़ौला का सुरेंद्र कुमार बरवड़ व बख्तावरपुरा का विजय कुमार मौर्य शामिल है। ये कंपनी के टॉप लीडरों में शामिल हैं। झुंझुनूं जिले में भी इन दोनों ने कंपनी से काफी लोगों को जोड़ा। भाजपा एससी मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष रह चुके सुजड़ौला निवासी सुरेंद्र कुमार ने कंपनी से जुड़ने के बाद गांव में चर्चा में आए। वे इससे पहले वह 2015 से 2020 तक सुजड़ौला का सरपंच भी रह चुका। वहीं विजय मौर्य पहले फाइनेंस कंपनी में नौकरी करता था। उसी दौरान वह कंपनी से जुड़ा। भरतपुर में गिरफ्तारी के बाद कंपनी से जुड़े जिले के लोग भूमिगत हो गए हैं। बड़ी बात तो यह है कि पीड़ित भी खुलकर नहीं बोल रहे हैं। इनके रिकार्ड खंगाले जा रहे हैं।

TECH LEGAL AWARENESS FORUM
A SECTION 8 – NON-PROFIT ORGANIZATION REGISTERED UNDER THE COMPANIES ACT, 2013
SCAM FREE INDIA
CYBER ALERT

3500 करोड़ रु. की साइबर ठगी, 73 जनों पर केस, मुख्य आरोपी दुबई भागे

भास्कर संवाददाता | श्रीगंगानगर

क्रिप्टो करंसी और फोरेक्स ट्रेडिंग में निवेश पर रकम दो-तीन गुना करने के नाम पर 3500 करोड़ की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। इस संबंध में पुरानी आबादी के वार्ड 14 निवासी विकास शर्मा की ओर से साइबर थाने में मुकदमा दर्ज करवाया गया है। इसमें 73 लोगों को नामजद किया गया है। आरोपियों में कई दुबई भी भाग चुके हैं। पीड़ित के अनुसार वे ही इस गेम के असली मास्टर माइंड बताए गए हैं।

यह ठगी देश में करीब 4 लाख निवेशकों के साथ होना बताया गया है। एसपी डॉ. अमृता दुहन के आदेश पर साइबर थाने के इंस्पेक्टर रमेश न्यौल मामले की जांच करेंगे। पीड़ित ने इस गिरोह पर स्वयं के 10 लाख रुपए ठगने के आरोप लगाए हैं।

पीड़ित विकास शर्मा ने बताया कि आरोपी प्रोफिट एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड व वेबंस इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक और इनके प्रमोटरों ने मिलकर देशभर में 4 लाख से अधिक लोगों से 3500 करोड़ रुपए से ज्यादा निवेश करवाए और फिर इस कंपनी को बंद कर गायब हो गए। पीड़ित ने दुबई, अबुधाबी निवासी एलेन चौधरी, रजत शर्मा पुत्र श्रवणकुमार, ईश्वर वर्मा पुत्र सांवरमल आदि को नामजद करवाया है। इसके अलावा कंपनी के डायरेक्टर हर्ष सैनी व तरुण मिश्रा सहित देशभर के 73 लोगों को नामजद किया है। इनमें से आधे के करीब तो विदेश भी भाग गए हैं।

एक्सप्लेनर; आरोपी टेलीग्राम ग्रुप में जोड़कर शुरू करवाते थे निवेश

पीड़ित ने पुलिस को दिए परिवाद में बताया कि उसको जानकार ने टेलीग्राम ग्रुप में क्रिप्टो करंसी में निवेश कर प्रोफिट कमाने का कहकर जुड़वाया। इस ग्रुप में क्रिप्टो और फोरेक्स ट्रेडिंग को लेकर निवेश की बातें होती थीं। यहां लोगों की ओर से किए गए निवेश की हर माह प्रोफिट शीट और अकाउंट डिटेल दिखाते थे। असल में यह आंकड़े फर्जी होते। जबकि वास्तव में किसी के खाते में असली क्रिप्टो करंसी नहीं होती थी। पीड़ित को लालच देकर 10 लाख रुपए का निवेश करवाया जबकि यह प्रोफिट और मूल रकम कभी भी पीड़ित के मूल बैंक अकाउंट में ट्रांसफर नहीं हुई।

ऐसे हुआ खुलासा : देशभर के थानों में मुकदमे दर्ज हुए: पीड़ित के अनुसार प्रदेश में 12 नवंबर 2025 को भरतपुर के मथुरागेट थाने में पहला मामला दर्ज होने की जानकारी सामने आई। इसमें पुलिस ने आरोपियों से नकदी, सोना, यूएसडीटी तथा लग्जरी वाहन बरामद किए गए। फिर भरतपुर कोतवाली में पांच मुकदमे, थाना अटलबंद में दो मामले, हलेना, बयाना, विद्याधरनगर में एक-एक मुकदमा दर्ज है। इसके अलावा आरोपियों के खिलाफ देशभर में 500 से अधिक मामले दर्ज होने की प्रारंभिक जानकारी सामने आई है।

भरतपुर पुलिस ने 4 माह पहले इस ठगी में इन आरोपियों को किया था गिरफ्तार।

इनसाइड स्टोरी

प्रदेश में 2.07 लाख से अधिक लोगों को निवेश के नाम पर ठगा, आरोपी जयपुर और झुंझुनूं के

पंकज यादव, अनुसंधान अधिकारी, आईपीएस, सीओ भरतपुर।

भरतपुर में इस मामले की जांच मेरे पास है। मूल रूप से क्रिप्टोकरेंसी में निवेश के नाम पर किए गए इस फ्रॉड के मास्टरमाइंड रजत शर्मा, एलन मेच्यु और संदीप सेंगर हैं जो वर्तमान में दुबई में रह रहे हैं। जांच में आरोपियों की वेबसाइट खंगालने पर पता चला कि ये लोग 2022 से मुनाफा देने का झांसा देकर क्रिप्टो में निवेश करवा रहे थे। वेबसाइट के ट्रैफिक की जांच में देशभर की 4 लाख 74 हजार से अधिक आईडी सामने आईं, जिनमें 3 लाख 22 हजार से ज्यादा की केवाईसी हो चुकी थी। इनमें अकेले राजस्थान के 2 लाख 7 हजार से अधिक लोगों की आईडी मिली।

आरोपी झुंझुनूं और जयपुर क्षेत्र के रहने वाले हैं और देशभर के करीब पौने पांच लाख लोगों से 3500 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश करवा चुके हैं। इस मामले में भरतपुर में अब तक 13 मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। जांच एजेंसी ने ईडी को भी जांच के लिए लिखा है। दुबई में रह रहे मुख्य आरोपियों के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी कर उन्हें भारत लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

एक्सपर्ट ; निवेश से पहले कंपनी की जानकारी जरूरी

एसपी डॉ. अमृता दुहन कहती हैं, निवेश करते समय सबसे पहले कंपनी के रजिस्ट्रेशन की जानकारी जरूर लें। जो निवेश कम समय में पैसा दोगुना करने का दावा करे, उससे सावधान रहें। क्योंकि यह फ्रॉड हो सकता है। निवेश कभी भी नकद न करें, हमेशा डिजिटल माध्यम से करें ताकि उसका रिकॉर्ड बना रहे।

आज हनुमानगढ़ आएंगे सीएम जनसभा को संबोधित करेंगे

TECH LEGAL AWARENESS FORUM

A SECTION 8 – NON-PROFIT ORGANIZATION REGISTERED UNDER THE COMPANIES ACT, 2013

SCAM FREE INDIA

CYBER ALERT

श्रीगंगानगर में 10 लाख की साइबर ठगी: क्रिप्टो-फॉरेक्स में प्रॉफिट का झांसा दिया, दुबई भागे आरोपियों पर मामला दर्ज

श्रीगंगानगर | 3 मिनट पहले

शेयर

क्रिप्टो और फॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम से कंपनी बनाकर प्रॉफिट कमाने का झांसा देकर लाखों रुपए की साइबर ठगी करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने 4 से 5 प्रतिशत साप्ताहिक और 15 से 20 प्रतिशत मासिक गारंटीड रिटर्न का लालच दिया और पैसे हड़प लिए। मामला श्रीगंगानगर के साइबर थाना का है।

दुबई की कंपनी बता कर ठगा

पुलिस को दी शिकायत में विकास कुमार निवासी पुरानी आबादी (श्रीगंगानगर) ने बताया- आरोपियों ने सेमिनार, सोशल मीडिया और पर्सनल कॉन्टैक्ट के जरिए 4-5% साप्ताहिक और 15-20% मासिक गारंटीड रिटर्न का लालच देकर उनसे इन्वेस्टमेंट कराया।

श्रीगंगानगरः क्रिप्टो के नाम पर ठगी, साइबर थाने में 73 लोगों पर केस

श्रीगंगानगर| क्रिप्टो करंसी और फोरेक्स ट्रेडिंग में निवेश पर रकम दो से तीन गुना करने के नाम पर करीब 3500 करोड़ रुपए की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। इस संबंध में पुरानी आबादी के वार्ड 14 निवासी विकास शर्मा की ओर से साइबर थाने में मुकदमा दर्ज करवाया गया है। इसमें 73 लोगों को नामजद किया गया है। आरोपियों में कई दुबई भी भाग चुके हैं। वे ही इस गेम के असली मास्टर माइंड बताए गए हैं। यह ठगी भारत में करीब 4 लाख निवेशकों के साथ होना बताया गया है। एसपी डॉ. अमृता दुहन के आदेश पर साइबर थाने के इंस्पेक्टर रमेश न्यौल मामले की जांच करेंगे। पीड़ित ने इस गिरोह पर स्वयं के 10 लाख रुपए ठगने के आरोप लगाए हैं।

कम समय में ज्यादा मुनाफे का झांसा देकर 2 जनों से 14362 डॉलर ठगे, केस दर्ज

एक्सपीओ आरयू नाम की वेबसाइट बना दिया झांसा

क्राइम रिपोर्टर | जयपुर

गलता गेट इलाके में कम समय में ज्यादा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर दो जनों से 14362 डॉलर की ठगी करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़ितों ने कोर्ट इस्तगासे के जरिए शुक्रवार को गलता गेट थाने में दो केस दर्ज कराए है।

पहली वारदात: चन्द्र शेखर आजाद कॉलोनी निवासी अब्दुल हक ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि मुबारक अली, रजत शर्मा उर्फ राजेश कुमार, विजय मौर्य, सुरेन्द्र बरवार, सुरेन्द्र सैनी व ईश्वर वर्मा ने मिलीभगत से एक्सपीओ आरयू नाम की वेबसाइट पर अकाउंट बनाकर निवेश कराने का झांसा दिया। साथ ही ये भी बताया कि कम समय में ज्यादा मुनाफा मिलेगा। इसके बाद आरोपियों ने वेबसाइट पर ऑनलाइन अकाउंट बनाकर 3033 डॉलर निवेश करवा दिया। कुछ समय तक मुनाफा दिलाया भी, लेकिन बाद में अकाउंट बंद कर दिया।

इसी तरह वन विहार कॉलोनी निवासी जाहिद खान ने भी रिपोर्ट दर्ज कराई कि इन लोगों ने उनसे 11329 डॉलर निवेश करवा लिए। कुछ समय बाद उनका अकाउंट भी बंद कर दिया। थानाधिकारी धर्म सिंह ने बताया कि इस गिरोह के खिलाफ पूर्व में भी भरतपुर सहित कई जगह ठगी के केस दर्ज हो चुके हैं। पीड़ितों से मिली रिपोर्ट के आधार पर केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

दैनिक भास्कर

Health UPDATE

देखते हुए केवल पश्चिमी मानकों पर निर्भर रहना व्यावहारिक नहीं है। भारतीय आयुर्वेदिक चिकित्सा महासंघ के संयोजक डॉ. रामावतार शर्मा ने कहा कि भारत सरकार और भारतीय विज्ञान उठाई कि लैबोरेटरी परीक्षण, गाइडलाइन मानक और उपचार भारतीय परिस्थितियों के अनुसार तैयार किए जाएं। आयुर्वेद की समग्र सोच को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़ने पर ही बेहतर परिणाम मिल सकते हैं।

एक लाख से एक करोड़ तक के निवेश फंसे

एक्सपो पीड़ितों का प्रदर्शन, सीएम-डीजीपी को सौंपा ज्ञापन

जयपुर @ पत्रिका. जयपुर. शहीद स्मारक पर मंगलवार को एक्सपो पीड़ित संघर्ष समिति के बैनर तले देशभर के निवेशकों ने धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान 20 से अधिक राज्यों से आए एक हजार से ज्यादा पीड़ितों ने अपनी आवाज बुलंद की। प्रदर्शन के दौरान पीड़ितों ने मुख्यमंत्री और डीजीपी के नाम ज्ञापन सौंपते हुए अपने निवेश से जुड़ी जानकारी प्रशासन के सामने रखी। उन्होंने बताया कि उनसे एक लाख से लेकर एक करोड़ तक की राशि 5 से 10 प्रतिशत मासिक रिटर्न के लालच में निवेश कराई गई थी, साथ ही मूलधन सुरक्षित रहने का भरोसा दिया गया था, जो अब तक वापस नहीं मिला।

पीड़ितों के अनुसार भरतपुर में दर्ज एफआइआर के बाद कंपनी ने अचानक विड्रॉल बंद कर दिए।

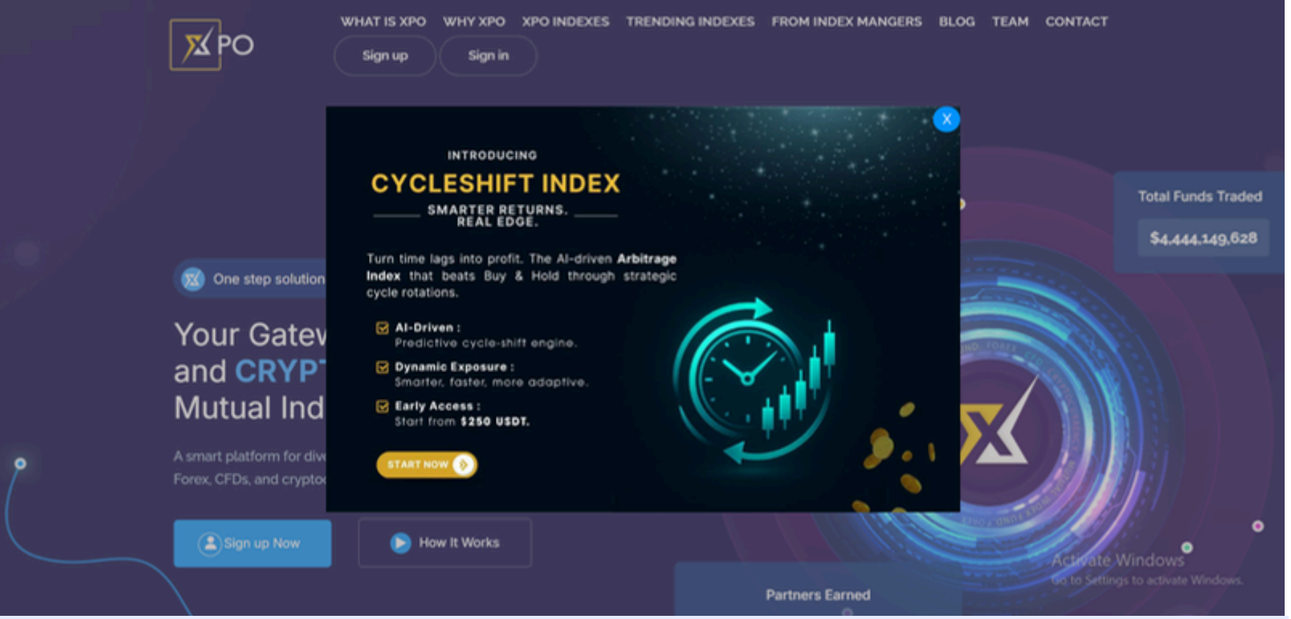

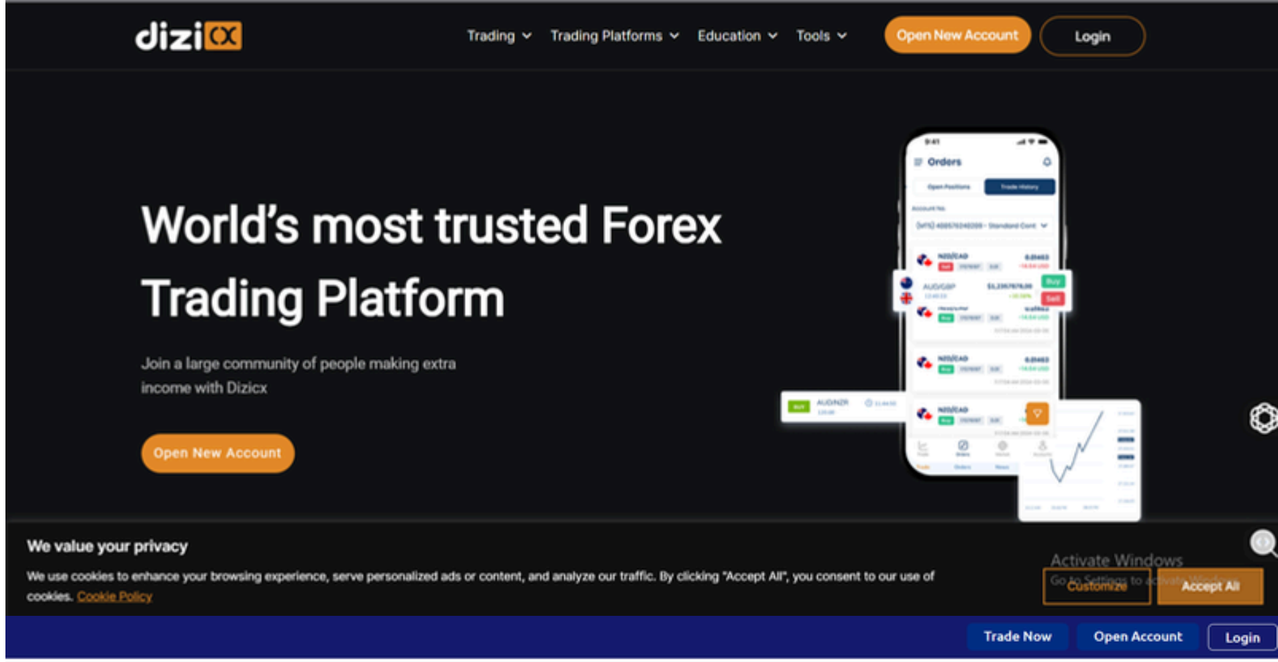

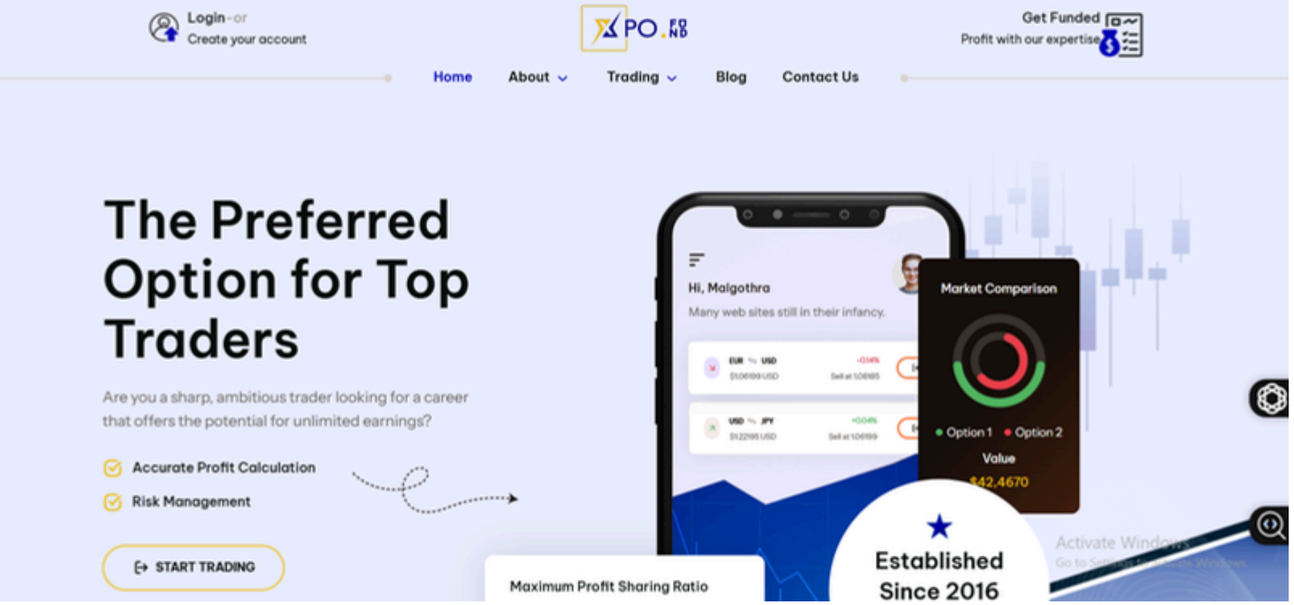

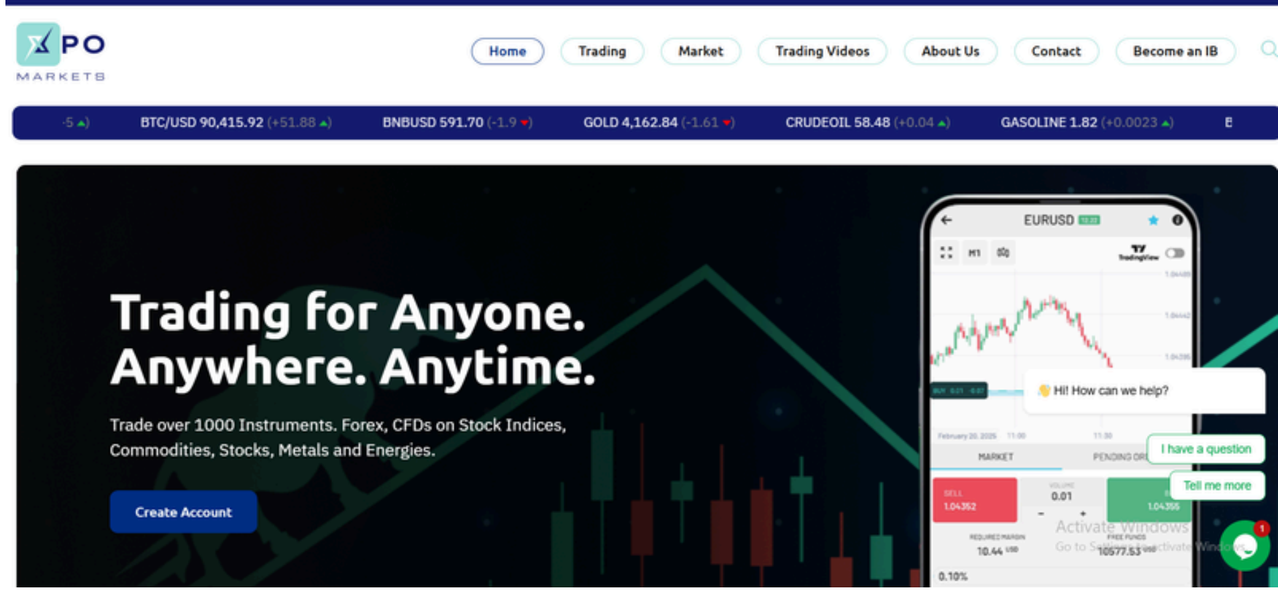

In charon companies ko chalane wale scammer ka group ek hi h or inke developer bhi ek hi h or inke victims ko ye samjhna bahut jaruri h ki jitna jaldi ho sake inke khilaf action liya jaaye jis se ki inke pass jitna bhi logo ka fund pada ho vo egencies k through seize kiya jaa sake.

TECH LEGAL AWARENESS FORUM

A SECTION 8 – NON-PROFIT ORGANIZATION REGISTERED UNDER THE COMPANIES ACT, 2013

SCAM FREE INDIA

CYBER ALERT